

---

.. shrI ve.nkaTasha stotram ..

॥ श्री वेङ्कटेश स्तोत्रम् ॥

---

कमलाकुचचूचुक कुङ्कुमतो नियतारुणितातुलनीलतनो ।  
कमलायतलोचन लोकपते विजयी भव वेङ्कटशैलपते ॥ १ ॥  
सचतुर्मुखषण्मुखपंचमुखप्रमुखाखिलदैवतमौलिमणे ।  
शरणागतवत्सल सारनिधे परिपालय मां वृषशैलपते ॥ २ ॥  
अतिवेलतया तव दुर्विषहै रनुवेलकृतैरपराधशतै ।  
भरितं त्वरितं वृषशैलपते परया कृपया परिपाहि हरे ॥ ३ ॥  
अधिवेङ्कटशैलमुदारमतेजनताभिमताधिकदानरतात् ।  
परदेवतया गदिताग्निगमैः कमलादयितान्न परं कलये ॥ ४ ॥  
कलवेणुरवावशगोपवधू शतकोटिवृतात्स्मरकोटिसमात् ।  
प्रतिपल्लविकाभिमतात्सुखदात् वसुदेवसुतान्न परं कलये ॥ ५ ॥  
अभिरामगुणाकर दाशरथे जगदेकधनुर्धर धीरमते ।  
रघुनायक राम रमेश विभो वरदो भव देव दयाजलधे ॥ ६ ॥  
अवनीतनयाकमनीयकरं रजनीकरचारुमुखाम्बुरुहम् ।  
रजनीचरराजतमोमिहिरं महनीयमहं रघुराममये ॥ ७ ॥  
सुमुखं सुहृदं सुलभं सुखदं स्वनुजं च सुकायममोघशरम् ।  
अपहाय रघूद्वहमन्यमहं न कथञ्चन कञ्चन जातु भजे ॥ ८ ॥  
विना वेङ्कटेशं न नाथो न नाथः सदा वेङ्कटेशं स्मरामि स्मरामि ।  
हरे वेङ्कटेश ! प्रसीद प्रसीद प्रियं वेङ्कटेश प्रयच्छ प्रयच्छ ॥ ९ ॥  
अहं दूरतस्ते पदाम्भोजयुग्मप्रणामेच्छयाऽऽगत्य सेवां करोमि ।  
सकृत्सेवया नित्यसेवाफलं त्वं प्रयच्छ प्रयच्छ प्रभो वेङ्कटेश ॥ १० ॥  
अज्ञानिना मया दोषानशेषान् विहितान् हरे ।  
क्षमस्व त्वं क्षमस्व त्वं शेषशैलशिखामणे ॥ ११ ॥  
॥ इति श्री वेङ्कटेश स्तोत्रम् सम्पूर्णम् ॥

---

Proofread by Dr. Varagur S.V. Rajan sankrityaraja@shaw.ca

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

Last updated November 20, 2004